

अवसिक्त वि. (तत्.) 1. जिस पर पानी छिड़का गया हो, सिंचित, सींचा हुआ 2. भीगा हुआ, आर्द्र, गीला।

अवसित वि. (तत्.) जिसका अवसान या समापन हो गया हो।

अवसीयती वि. (तत्.) विधि. 1. बिना वसीयत का, जिसके विषय में वसीयत न की गई हो 2. (वह मृतक) जिसने मरने से पूर्व कोई इच्छापत्र (विल) न लिखा हो, इच्छापत्र-रहित पर्या. निर्वसीयती।

अवसूलीय पुं. (तत्.) वाणि. ब्याज, ऋण, कर, शुल्क आदि की वह राशि जिसे वसूल कर सकना संभव न हो, अशोध्य, लावसूल।

अवसृष्ट वि. (तत्.) 1. त्यागा हुआ, त्यक्त 2. दिया गया, दत्त।

अवसेक पुं. (तत्.) सिंचन, छिड़काव, पौधों पर पानी डालने की प्रक्रिया।

अवसेघन पुं. (तत्.) 1. सिंचन, पानी छिड़कना या डालना, सींचना 2. पसीजना 3. स्वेदन, वह प्रक्रिया जिसमें रोगी के शरीर से पसीना निकाला जाता है।

अवसेर स्त्री. (तद्.) 1. अटकाव, उलझन 2. देर, विलंब।

अवसेरना स.क्रि. (तत्.) 1. तंग करना, परेशान करना 2. उलझना 3. दुख देना, कष्ट देना 4. रुकना 5. विश्राम करना अ.क्रि. देर लगाना।

अवस्कंद पुं. (तत्.) 1. सेना के ठहरने का स्थान, शिविर, छावनी 2. जनवासा 3. आक्रमण।

अवस्कंदक पुं. (तत्.) आक्रमण करने वाला व्यक्ति, रास्ते चलते लोगों को मारने-पीटने वाला।

अवस्कंदन पु. (तत्.) दे. अवस्कंद ।

अवस्कंदित वि. (तत्.) 1. आक्रांत 2. नीचे गिरा हुआ 3. अशुद्ध, गलत 4. स्नात।

अवस्कर पुं. (तत्.) 1. कूड़ा-कर्कट, मलमूत्र, मल, विष्ठा 2. बटोरना।

अवस्तर पु. (तत्.) निचला स्तर जीव. वह आधार-सतह या पदार्थ जिस पर कोई जीव जीवित रहता है, वृद्धि करता है और अशन करता है। substrat

अवस्तरण पुं. (तत्.) बिछावन।

अवस्तार पुं. (तत्.) परदा, कनात, खेमे के चारों ओर लगाया गया कपड़ा।

अवस्तु स्त्री. (तत्.) 1. अपदार्थ, नगण्य या तुच्छ वस्तु वि. तुच्छ, हीन, नगण्य।

अवस्त्र वि. (तत्.) वस्त्रहीन, निर्वस्त्र, नग्न।

अवस्थांतर पुं. (तत्.) 1. अवस्था या दशा का परिवर्तन 2. परिवर्तन के बाद अगली दशा या स्थिति।

अवस्था स्त्री. (तत्.) 1. दशा, हालत, स्थिति 2. वय, उम्र 3. चरण (नाट्य) 'आरंभ' से लेकर 'फलागम' तक नाटक के पाँच चरण।

अवस्था चतुष्टय पु. (तत्.) मानव जीवन की चार दशाएँ- बाल्य, कौमार्य, यौवन, वाध्क्य।

अवस्थात्रय पुं. (तत्.) दर्श. जीव की जागरण, स्वप्न और सुषुप्ति की तीन अवस्थाएँ।

अवस्थाद्वय पुं. (तत्.) जीवन की दो अवस्थाएँ- सुख और दुःख।

अवस्थान पुं. (तत्.) 1. स्थिति 2. सत्ता 3. स्थान, जगह 4. निवासस्थान 5. रुकने या ठहरने की अवधि, थोड़े से समय के लिए कहीं ठहरना। sojourn

अवस्थापन पुं. (तत्.) 1. रखना 2. (स्थान-विशेष में) स्थापित करना 3. निवास-स्थान।

अवस्थित वि. (तत्.) 1. स्थित 2. विद्यमान, मौजूद 3. तैयार, तत्पर 4. टिका हुआ, निर्भर।

अवस्थिति स्त्री. (तत्.) 1. स्थित होने की अवस्था, अवस्थान 2. सत्ता 3. वर्तमानता, विद्यमानता।

अवस्फीति स्त्री. (तत्.) 1. अर्थ. मुद्रा की उपलब्ध मात्रा में अत्यधिक कमी होने के कारण प्रचलित कीमत स्तर के घट जाने की स्थिति। deflation